Regarding need to regularize the services of employees working on temporary basis-Laid

श्री उमेषभाई बाबूभाई पटेल **(**दमन और दीव**) :** अपने संसदीय क्षेत्र दमण एवं दीव सहित पूरे देश में अनेक युवा स्वास्थ्य, शिक्षा, लोकनिर्माण, स्वराज्य संस्थाएं जैसे कि ग्राम पंचायतों, जिला पंचायतों, नगर पालिकाओं, सहित विविध सरकारी विभागों मे अस्थायी कर्मचारी के रुप मे अनेक वर्षों से स्थाई कर्मचारीयों के साथ बराबर की सेवा दे रहे हैं । अस्थायी कर्मचारीयों की कार्य करने की दक्षता और क्षमता स्थायी कर्मचारीयों के समान ही होती है तथा ऐसे कर्मचारी सीधे जनता की सेवा करते है । फिर भी इन अस्थायी कर्मचारीयों को स्थायी कर्मचारीयों की तुलना मे बहुत कम वेतन मिलता है । वेतन कम मिलने के कारण अस्थायी कर्मचारीयो को अपने परिवार तथा बच्चों को अच्छी पढ़ाई सहित कई सुविधाए देने मे काफी मुश्किलो का सामाना करना पडता है । वंही स्थायी कर्मचारी और अस्थायी कर्मचारी का कार्य एक समान हो तो फिर उन अस्थायी कर्मचारियों को मिलने वाले वेतन लाभ मे भेदभाव क्यो? उनको वर्षो वर्ष काम कराने के बावजूद उनके हक और अधिकार से वंचित क्यो रखा जा रहा है? उनको स्थायी क्यो नही किया जाता है? मेरा भारत सरकार से निवेदन है कि मेरे क्षेत्र सहित पूरे भारत मे जो लोग देश के सरकारी क्षेत्र में अस्थायी तौर पर कार्य कर रहे हैं, उनको नियमित (स्थायी) कर उनको उनका अधिकार देने की कृपा करें ।